सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, गुरुवार, 17 अप्रैल, 2025
वर्षः 02, अंकः 111, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

मुर्शिदाबाद का जो हाल है वो कभी यूपी के शहरों का था » Pg12

इनसाइड बाइक सवारों को बचाने के चक्कर में पलटी कार... » Pg04

मेरठ में एक और मुस्कान, कातिल रविता का इकबालिया बयान

सांप नहीं... प्रेमी संग बीवी ने गला दबाकर मार डाला

पत्नी ने ही लिखी मौत की स्क्रिप्ट । पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुला राज । मेरठ पुलिस ने साजिश का किया पर्दाफाश

लाश को सांप से डसवाने का किया अमर संग नाटक

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मेरठ। के मेरठ से सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। नीले ड्रम वाली मुस्कान कांड के बाद यह एक और दिल दहला देने घटना है, जिसमें पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। इसके बाद उसे सांप से 10 बार डसवाकर मौत को हादसा दिखाने की साजिश रची। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट ने सारी सच्चाई उजागर कर दी। पुलिस की पूछताछ में आरोपी पत्नी रविता ने पति की हत्या मामले में बड़ा खुलासा किया। उसने हत्या की पूरी वारदात की जानकारी दी। उसने बताया कि कैसे उसने और उसके प्रेमी ने मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। दोनों ने मिलकर अमित की गला दबाकर हत्या की और इसके बाद सर्पदंश से मौत दिखाने के लिए सांप लाश के नीचे दबा दिया था। अमित की हत्या करने के लिए रविता ने ही पूरी प्लानिंग की थी। एक हजार रुपये में सांप खरीदकर लेकर आए थे।

जहर से ज्यादा खतरनाक निकली जहरीली रविता

अकबरपुर सादात गांव निवासी अमित की 3 दिन पहले मौत हो गई थी। चारपाई अमित की लाश के नीचे एक सांप दबा हुआ मिला था। चर्चा रही कि सर्पदंश से मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया था। दूसरी ओर, सपेरा बुलाकर सांप को एक बोतल में बंद किया गया। इसी दौरान कुछ लोगों ने वीडियो बना ली थी। बुधवार रात आई पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। अमित की मौत सांप के काटने से नहीं, बल्कि गला दबाने और दम घुटने से हुई। पुलिस ने अमित की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरजीत को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ की गई तो खुलासा हुआ कि दोनों का एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। इस बात की जानकारी अमित को हो गई थी और इसी बात को लेकर अमित और रविता के बीच विवाद होता था। रविता ने प्रेमी के साथ मिलकर अमित को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। इसके बाद पूरी योजना के तहत एक हजार रुपये में सांप खरीदा गया था। रात के समय रविता और अमरजीत ने मिलकर अमित का गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद अमित की लाश को सांप से डसवाया और सर्पदंश से मौत दिखाकर पूरे मामले को दबाने की साजिश की गई। पुलिस फिलहाल सांप बेचने वाले की तलाश में लगी है।

» जहरीली बीवी ने मौत के बाद पति पर लगाया मारपीट का आरोप।

एसएसपी मेरठ डॉ. विपिन ताडा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अमित की मौत गला दबाने और दम घुटने से होना बताया गया है। सांप के काटने से मौत की पुष्टि नहीं की गई है। अमित की पत्नी ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया है। अमित की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरजीत को गिरफ्तार किया गया है।

हमने उसके ही तरीके से उसे मार दिया

पुलिस की गिरफ्त में आई आरोपी पत्नी रविता ने कहा कि पति हर रोज मेरे साथ मारपीट करता था। मेरे साथ गंदे-गंदे काम करता था। विरोध करने पर कहता था कि साथी को फोन कर बुलाउंगा। तुझे मरवा दूंगा। इसके बाद सांप से कटवा दूंगा। इस प्रकार की बातें करते थे। इसके बाद हमने उसके ही तरीके से उसे मौत के घाट उतारवा दिया।

कसा शिकंजा

मनीष सिसोदिया बोले- डर की वजह से रची गई साजिश

पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के आवास पर सीबीआई की रेड

» विशेष संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने गुरुवार को पार्टी के पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक के आवास पर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की छापेमारी की निंदा करते हुए इसे 'राजनीति से प्रेरित' कदम बताया, जिसका उद्देश्य 2027 में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी की तैयारियों को पटरी से उतारना है।

पाठक, गुजरात में पार्टी के सह-प्रभारी हैं। 'आप' के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, आप' को खत्म करने की भाजपा की कोशिशें एक बार फिर शुरू हो गई हैं। संजय सिंह ने कहा ''उन्होंने हमारे नेता को जेल में डाल दिया, हमारे शीर्ष नेतृत्व को गिरफ्तार कर लिया और अब हमारे पीएसी (संसदीय कार्य समिति) सदस्य और गुजरात के सह-प्रभारी दुर्गेश पाठक के घर पर सीबीआई ने छापा मारा है। इसका एकमात्र कारण यह है कि गुजरात में 'आप' की पकड़ मजबूत हो रही है।

सिंह ने दावा किया कि जैसे ही पाठक ने पार्टी का आधार मजबूत करने के लिए गुजरात में बैठकें शुरू कीं, भाजपा ने उनके पीछे केंद्रीय एजेंसी लगा दी। 'आप' के आरोपों पर भाजपा की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल पाई। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई विदेशी अंशदान मानदंडों के कथित उल्लंघन के सिलसिले में पाठक के परिसरों पर छापेमारी कर रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम के कथित उल्लंघन के लिए पाठक के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

'आप' के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, गुजरात चुनाव 2027 की जिम्मेदारी मिलते ही दुर्गेश पाठक के घर पर सीबीआई की छापेमारी। यह कोई इत्तेफाक नहीं, यह भाजपा की, डर की वजह से रची गई साजिश है।

पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी ने भी की छापेमारी की निंदा

दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने भी छापेमारी की निंदा की। उन्होंने कहा, आम आदमी पार्टी ने जैसे ही गुजरात चुनाव की तैयारी शुरू की, गुजरात के सह-प्रभारी दुर्गेश पाठक के घर सीबीआई छापेमारी करने पहुंच गई! यह छापेमारी इनकी बौखलाहट दिखा रही है! वर्ष 2022 में राजिंदर नगर विधानसभा सीट से जीत हासिल करने वाले पाठक को 2025 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी उमंग बजाज से हार का सामना करना पड़ा था। पाठक, 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान गोवा के प्रभारी भी थे।

बाइक सवारों को बचाने के चक्कर में पलटी कार, वृद्ध महिला की मौत

» शिवराजपुर से शिवली की ओर जा रही थी तेज रफ़्तार कार

» ककवन थाना क्षेत्र में हुई दुर्घटना,आठ लोग हुए घायल

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर, कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट के थाना ककवन में बुधवार को सकरवां चौराहे के पास बाइक सवारों को बचाने के चक्कर में तेज रफ़्तार कार गड्ढे में जाकर पलट गई।

दुर्घटना में कार सवार वृद्ध महिला की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए।

बाइक सवारों को मामूली चोटें आई हैं। मालूम हो कि बुधवार की दोपहर शिवराजपुर से शिवली की ओर जा रही थी तेज रफ़्तार कार भगवान थाना क्षेत्र के सकरवां चौराहा के पास सामने से आ रही बाइक सवारों को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित हुई और सड़क के किनारे गड्ढे में जाकर पलट गई।

जिसमें अरौल थाना क्षेत्र के पिहानी मजबूत नगर गांव निवासी वृद्ध महिला विशुना कटियार पत्नी स्वर्गीय ओमप्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई।

वहीं अन्य कार व बाइक सवार घायल हो गए। सूचना पाकर पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे ककवन इंस्पेक्टर धर्मेंद्र गुप्ता ने सभी घायलों को उपचार के लिए शिवराजपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया।

बाइक सवारों को मामूली चोट होने की वजह से उपचार के बाद घर भेज दिया गया।

और कार सवार घायलों का इलाज चल रहा है।

पुलिस ने कानूनी कार्रवाई करते हुए वृद्ध महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

हीट वेव से नौनिहालों को बचाने के लिए विद्यालयों में एक्शन प्लान जारी

गर्मी में विद्यालयों में बिजली, पानी, पंखे आदि की व्यवस्था करने और कमरों को ठंडा रखने के लिए निर्देश जारी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा हीट वेव (लू) से बचाव के लिए एक एडवाइजरी जारी की गई है। इस एडवाइजरी में बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए स्कूलों में कुछ उपाय करने का निर्देश दिए गए हैं। इन स्कूलों के बच्चों को हीट वेव से बचाने के लिए आपदा प्रबंधन के तहत बेसिक शिक्षा विभाग अब कवायद में जुट गया है। गर्मी में विद्यालयों में बिजली, पानी, पंखे आदि की व्यवस्था करने और कमरों को ठंडा रखने के लिए एक्शन प्लान तैयार किया गया है। अप्रैल में ही गर्मी की अधिकता को देखते हुए हीट वेव से परिषदीय स्कूलों के नौनिहालों को बचाने की तैयारी में बेसिक शिक्षा विभाग जुट गया है। सभी विद्यालयों के लिए निर्देश जारी किए गए हैं कि खुले में बच्चों की कोई गतिविधि न कराई जाएं। इसके अलावा आपदा प्रबंधन पर फिल्म दिखाकर बच्चों और अभिभावकों को गर्मी से बचाव के उपाय बताए जाएं। साथ ही पेयजल की सुचारू सप्लाई और पंखे की व्यवस्था कक्षा में दुरुस्त रखी जाए। भीषण गर्मी में बच्चों के आउटडोर शारीरिक क्रियाकलाप न कराया जाए। साथ ही स्वास्थ्य विभाग स्कूलों में बच्चों को गर्मी में ओआरएस, इलेक्ट्राल के पैकेट की व्यवस्था कराएं। गर्मी में बच्चों को बचाने के लिए सभी प्रधानाध्यापक दिए गए निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराएं और बच्चों के लिए ओआरएस पैकेट की व्यवस्था कराएं। भीषण गर्मी में बच्चों की खुले में कोई भी शारीरिक गतिविधियां न कराई जाएं। बिजली पानी के साथ पंखे की व्यवस्था भी दुरुस्त रखी जाए।

बेसिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि हीट वेव से बच्चों को बचाने के लिए विद्यालयों में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के खंड शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं। विद्यालय में पेयजल की व्यवस्था सुचारू रखने के साथ बिजली, पंखे की व्यवस्था भी दुरुस्त रखी जाए। गर्मी ज्यादा बढ़ी तो आवश्यकतानुसार स्कूल समय में भी परिवर्तन किया जाएगा।

महाना ने अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ की कड़ी समीक्षा

कानपुर शहर में प्रस्तावित और चल रही परियोजनाओं को लेकर भी हुई समीक्षा

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की अध्यक्षता में जनपद कानपुर के समग्र विकास के कार्यों की समीक्षा बैठक नवीन सभागार सरसैया घाट में सम्पन्न हुई। कानपुर रिंग रोड के निर्माण की समीक्षा में एन0एच0ए0आई0 के अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि कानपुर रिंग रोड का कार्य 04 पैकेज में होना है, जिसके अन्तर्गत 03 पैकेज में कार्य प्रारम्भ हो गया है एक पैकेज के टेण्डर का कार्य प्रक्रियाधीन है और अधिग्रहण का कार्य किया जा रहा है। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य की समीक्षा में एन0एच0ए0आई0 द्वारा अवगत कराया गया कि 02 पैकेज में कार्य पूर्ण होना है। परियोजना का निर्माण कार्य मैसर्स पी0एन0सी0 इन्फ्राटेक लि0 द्वारा कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है कार्य तेजी से चल रहा है, परियोजना का निर्माण छः लेन में शहीद पथ जंक्शन से प्रारम्भ होकर बनी पर समाप्त होगा। पैकेज 02 ऊपरगामी बनाया जाएगा तथा आउटर रिंग रोड के निकट नीचे उतरेगा। आउटर रिंग रोड पर जंक्शन का निर्माण किया जाएगा, उक्त परियोजना का निर्माण कार्य मैसर्स पी0एन0सी0 द्वारा प्रारम्भ कर दिया गया है जो कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा है। उक्त परियोजना जल्द ही पूर्ण होगी।

विधानसभा अध्यक्ष द्वारा कानपुर नगर दक्षिण वासियों की समस्याओं को दृष्टिगत रखते हुये बैठक में विचार-विमर्श किया गया । विभागीय समंजन स्थापित करते हुए कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए। सैबसी झील के निर्माण की समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए गए की इसका स्वरूप बेहतर सुरक्षित बनाया जाए इसके लिए कार्य करना सुनिश्चित करें । जाजमऊ से चकेरी एयरपोर्ट को जाने वाले मार्ग के निर्माण में आ रही बाधाओं को दूर करते हुए युद्ध स्तर पर कार्य करना सुनिश्चित किया जाए। पनकी पड़ाव पुल में चार लेन मार्ग बनाये जाने के सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि सेतु निगम द्वारा प्रस्ताव बनाकर कार्य योजना में सम्मिलित कर लिया गया है। मेगा लेदर क्लस्टर के संबंध में 31 मई तक जो भी कार्य किया जाना है, उसे पूर्ण करें अन्यथा वैकल्पिक रास्ता तलाशते हुए निस्तारण कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए,कानपुर विकास प्राधिकरण अपनी भूमि को संरक्षित करते हुए पर को एवं तालाबों को जल संचयन हेतु विकसित करने हेतु कार्य करना सुनिश्चित करें। एमडी केस्को को निर्देशित किया गया कि लाल बंगला बाजार में अंडरग्राउंड विद्युत केबल का कार्य यथाशीघ्र आरंभ कराया जाए इस हेतु जो भी प्रक्रियाएं हैं या जो भी कार्य किए जाने हो, उन्हें युद्ध स्तर पर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। पुलिस कमिश्नर यह सुनिश्चित कराए कि

शहर में जो भी बारात निकले, वह सड़क के एक साइड से ही निकाला जाए एवं सुगम यातायात व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए ही बरात निकले।डिफेंस कॉरिडोर की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण का कार्य पूर्ण कराते हुए आ रही बधाओं को शीघ्र दूर कराया जाए।

नगर आयुक्त को भी दिए निर्देश

नगर आयुक्त सुधीर कुमार को निर्देशित करते हुए कहा कि जीके फर्स्ट में सड़क पर लगने वाली सब्जी मंडी को पुल के नीचे से अन्य स्थान पर व्यवस्थित कराना सुनिश्चित करें। बनियापुरवा एसटीपी की समीक्षा के दौरान निर्देशित करते हुए कहा कि प्रत्येक स्थिति में जुलाई में एसटीपी प्रारंभ करना सुनिश्चित करें। नगर आयोग को निर्देश दिए, नाला सफाई का जो भी कार्य कराया जाए, उसमें से प्रत्येक स्थिति में सिल्ट उठाई जाए , साथ ही प्रत्येक गली, मोहल्लों,सड़को की सफाई हो यह भी सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी सफाई कर्मचारी नियमित रूप से उपस्थित होकर सफाई करें। वहीं, एमडी केस्को को निर्देशित करते हुए कहा कि संवाद की स्थिति रहे और फाल्ट होने पर उसका निराकरण युद्ध स्तर पर कराया जाए बैठक में महापौर प्रमिला पाण्डेय, विधायक नीलिमा कटियार, सरोज कुरील, सुरेन्द्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, मण्डलायुक्त विजयेंद्र पांडियन, पुलिस आयुक्त अखिल कुमार, जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था, एम0डी0 केस्को सैमुअल पॉल, नगर आयुक्त , मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुहिम

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत बोले

हिंदू परिवार दिन में एक बार साथ बैठकर खाना जरूर खाएं...

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । हिंदू परिवार दिन में एक बार साथ बैठकर खाना जरूर खाएं। अपनी मातृभाषा में बात करें और घर ऐसा बनाएं जो हिंदू का घर लगे। यह बात बुधवार को सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने केशव भवन में आयोजित बैठक में कही। मोहन भागवत ने कुटुंब प्रबोधन और पर्यावरण संरक्षण गतिविधि को लेकर अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख, क्षेत्र प्रचारक, प्रांत प्रचारकों के साथ बैठक की।

इस दौरान उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति दुनिया में मार्गदर्शन का केंद्र बिंदु रही है। भारत दुनिया में विश्व गुरु के स्थान पर रहा है। आज फिर विश्व के लोग भारत की रीतिनीति, परंपरा और संस्कृति की ओर आकर्षित हो रहे हैं। कुंभ में हमने यह दृश्य देखा। हमारी संस्कृति संवेदना की है। हमारे परिवार की जो कल्पना है, वह सुरक्षित रहे, संस्कृति सुरक्षित बनी रहे।

कानपुर में प्रवास के चौथे दिन मोहन भागवत सुबह 6 बजे कोयला नगर स्थित दुर्गा पार्क पहुंचे। यहां शाखा करने के बाद संघ कार्यालय में बैठक की। कुटुंब प्रबोधन की बैठक के बाद मोहन भागवत ने पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के कार्यकर्ताओं से बातचीत की। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के कानपुर प्रांत में हो रहे कार्यों की जानकारी ली। गतिविधि का नारा है कि वृक्ष लगाओ, पानी बचाओ पॉलिथीन हटाओ। पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के मुख्य उपक्रम पेड़ पानी और पॉलिथीन है। भागवत ने कहा कि घर की जैसी भी बनावट हो उसके अनुसार बालकनी में, छत में पेड़ पौधों को गमले में लगाना, जल संरक्षण अपने दैनिक कार्यों के द्वारा करना, हानिकारक रसायन युक्त सामग्रियों का कम से कम उपयोग करना, जैव विविधता का संरक्षण, घर में ऊर्जा का संरक्षण करना है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण गतिविधि के 6 कार्य विभाग हैं। पहला शैक्षणिक संस्थान, दूसरा धार्मिक संस्थान, तीसरा नारी शक्ति, चौथा स्वयंसेवी संस्थान, पांचवां जन संवाद और छठा जनसंपर्क। सरसंघचालक ने कहा कि हमारे दैनिक जीवन में राष्ट्रभक्ति का भाव आना चाहिए। रास्ते में नल खुला मिले तो उसे बंद जरूर करें। बैठक में अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वागत रंजन, क्षेत्र प्रचारक अनिल, प्रांत प्रचारक श्रीराम, प्रान्त संघ चालक भवानी भीख, प्रान्त प्रचार प्रमुख डॉक्टर अनुपम, विनोद शंकर, प्रान्त सह व्यवस्था प्रमुख विकास, गिरजेश श्रीवास्तव समेत अन्य आयामों के लोग रहे।

ट्रेनों में चला बिना टिकट वालों की चेकिंग का महाअभियान

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। प्रयागराज मण्डल अपने सभी यात्रियों को उत्तम भोजन, शुद्ध पेयजल, स्वच्छ शौचालयों की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ बिना टिकट और अनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों पर अंकुश लगाने के लिए स्टेशनों एवं गाड़ियों में टिकट चेकिंग अभियान चलाए जाते हैं। इसी क्रम में बुधवार को गोविंदपुरी–कानपुर–फतेहपुर खण्ड पर वाणिज्य निरीक्षक महेंद्र गुप्ता के सुपरविजन में टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। इस जांच अभियान में बिना टिकट, अनियमित यात्रा, अवैध वेंडिंग, गंदगी फैलाने वालों, धूम्रपान एवं अनबुक्ड लगेज वालों पर जुर्माना लगाया गया। इस जांच अभियान में गाड़ी संख्या 22583 छपरा–लोकमान्य तिलक अंत्योदय सुपरफास्ट एवं गाड़ी संख्या 14118 भिवानी–प्रयागराज एक्सप्रेस की सघन जांच की गई। इस जांच अभियान में कुल 61 यात्रियों को प्रभारित कर 40,500 रुपये जुर्माना वसूल किया गया। इसमें 56 बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों को प्रभारित कर 39,000 रुपये एवं गंदगी फैलाने वाले 05 यात्रियों को प्रभारित कर 1,500 रुपये का जुर्माना वसूल किया गया।

रेल प्रशासन अपने सभी यात्रियों से अनुरोध करता है कि रेलगाड़ी तथा रेल परिसर में गंदगी न फैलाएँ, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें तथा वैध टिकट के साथ यात्रा करें। रेलवे अपने सभी यात्रियों का सम्मान करती है और उनकी सुखद यात्रा की कामना करती है।

शुक्रवार को बंद रहेंगे सरकारी और प्राईवेट स्कूल

गुड फाइडे को सरकारी अवकाश घोषित

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। 18 अप्रैल 2025 को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। इस दिन गुड फाइडे मनाया जाएगा जो ईसाई धर्मावलंबियों के लिए महत्वपूर्ण धार्मिक पर्व है।

गुड फाइडे ईसाई धर्म का एक महत्वपूर्ण धार्मिक दिन होता है। इस दिन यीशु मसीह के बलिदान और मृत्यु की स्मृति में प्रार्थनाएं और उपवास किए जाते हैं। इस अवसर पर जिले के सभी सरकारी कार्यालय, स्कूल, कॉलेज, और बैंक बंद रहेंगे। बता दे कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में छुट्टी के ऐलान किया गया है वहीं पंजाब में भी इस दिन छुट्टी रहेगी। इस अवकाश की घोषणा कर्मचारियों, छात्रों और आम जनता के लिए राहत की खबर है क्योंकि वे इस समय का उपयोग परिवार के साथ समय बिताने या व्यक्तिगत कार्यों को पूरा करने के लिए कर सकते हैं।

मेट्रो की लापरवाही से बर्रा 8 की सीवर लाइन चोक

पार्षद अर्पित यादव ने रुकवाया कार्य तो मौके पर आए मेट्रो के अधिकारी

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। मेट्रो अधिकारियों के द्वारा वार्ड 45 व वार्ड 9 की सीवर लाइन को चोक कर दिया गया। जिस कारण बर्रा 8 के दोनों क्षेत्र की सीवर लाइन चोक हो गई है।

पार्षद अर्पित यादव ने बाला जी मंदिर के पास चल रहे मेट्रो के कार्य को रुकवा दिया।जिस कारण मेट्रो के अधिकारी मौके पर आये और पुलिस प्रशासन भी मौके पर आ गया। मेट्रो के अधिकारियों ने नई सीवर लाइन डालने का आश्वासन दिया तो पार्षद अर्पित यादव ने कार्य शुरू करने दिया। इस दौरान साथी पार्षद वीरेंद्र चौहान व जे ई वर्षा और तमाम क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

सम्पादकीय

प्रत्यर्पण को कूटनीतिक प्रयास तेज करें

हाल ही में मुंबई हमले के मुख्य साजिशकर्ता तहव्वुर राणा को भारत लाने और अब बेल्जियम में सबसे बड़ी बैंकिंग धोखाधड़ी करके फरार हुए हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी की गिरफ्तारी के गहरे निहितार्थ हैं। इससे देश में अपराध करके भागने वालों के लिये सख्त संदेश जाएगा कि वे साफ बचकर नहीं निकल सकते। जांच एजेंसियों की सतर्कता, अधिकारियों की तत्परता और सत्ताधीशों की सजगता स्थितियां बदल सकती है। बहरहाल, चोकसी की गिरफ्तारी से यह उम्मीद जरूर जगी है कि देर-सवेर भारत लाकर उस पर मुकदमा चलाया जा सकेगा। उल्लेखनीय है कि साल 2018 में देश के सबसे बड़े बैंक घोटाले के जरिये चोकसी एंड पार्टी ने पूरे देश की बैंकिंग व्यवस्था को हिलाकर रख दिया था। चोकसी पर आरोप है कि उसने पंजाब नेशनल बैंक के साथ करीब तेरह हजार करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी। आरोप है कि इस धोखाधड़ी में कथित तौर पर बैंक अधिकारियों और अन्य लोगों की भी गहरे तक मिलीभगत थी। दरअसल, इस बड़े घोटाले के सार्वजनिक होने से पहले ही मेहुल चोकसी और सह-आरोपी उनका भतीजा नीरव मोदी भारत से भागने में सफल हो गए थे। नीरव को वर्ष 2019 में ब्रिटेन में गिरफ्तार कर लिया गया था। वह अभी भी वहीं हिरासत में है। लेकिन येन-केन-प्रकारेण तथा लगातार नयी दलीलें देकर अपना प्रत्यर्पण टालने में सफल रहा है। दरअसल, पश्चिमी देशों में सशक्त नागरिक व मानव अधिकारों का दुरुपयोग ये अभियुक्त अपनी खाल बचाने के लिये बखूबी करते हैं। दूसरे उनके पास घोटाले का पर्याप्त पैसा है, जिससे वे महंगी कानूनी लड़ाई के जरिये अपना बचाव करने में कामयाब होते रहे हैं। बहरहाल, भले ही चोकसी की बेल्जियम में गिरफ्तारी हो गई है,लेकिन उसकी जल्दी वापसी इतनी भी आसान नहीं है। इस मामले को देख रहे अधिकारियों को अभी लंबी कानूनी लड़ाई के लिये तैयार रहना होगा। यह तय है कि चोकसी अपनी रिहाई सुनिश्चित करने तथा अपना प्रत्यर्पण टालने के लिये कानूनी मोर्चे पर कोई कसर नहीं छोड़ने वाला है।

निश्चित रूप से हमें बचाव पक्ष के वकीलों की रणनीति को लेकर कोई आश्चर्य न होगा कि चोकसी के खराब स्वास्थ्य को आधार बनाकर जमानत लेने का प्रयास किया जाए। खबरों में बताया जा रहा है कि चोकसी कैंसर का इलाज करा रहा है। वहीं दूसरी ओर देश में अपराध करके भागने वाले लोग विदेशी अदालतों में यह दलील देने से नहीं चूकते कि भारत में जेलों के हालात खराब है और वे उन स्थितियों में नहीं रह सकते। ऐसे में भारतीय जांच एजेंसियों को इस तरह के कुतर्कों का पुख्ता तरीके से मुकाबला करने के लिये पूरी तैयारी के साथ विदेशी अदालतों में अपना पक्ष सशक्त ढंग से रखना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस प्रकरण में भारत के सबसे बड़े बैंक घोटाले की जांच दांव पर है।

कम न हो पाएंगे यमुना के दुःख-दर्द

पंकज चतुर्वेदी

आंकड़ों, बजट और आरोपों में दिमाग खपाने से यमुना का कुछ उद्धार होने से रहा, इसके किनारों पर हरियाली हो, अतिक्रमण साफ हो, इसकी धार को बगैर रोके-टोके बहने का मौका मिले। बस इतना कर लीजिए एसटीपी जैसे खर्चे कुछ कम हो जाएंगे।पहली बार में दिल्ली की यमुना पर सफेद झाग नजर आते हैं। थोड़ा करीब से देखें तो पानी निपट काला नजर आता है। खासकर कालिंदी कुंज पर तो लगता था कि यह नदी नहीं, बर्फ का ढेर हो। दिल्ली विधानसभा चुनाव में यमुना को साफ करने के मुद्दे पर खूब चर्चा हुई, होनी भी चाहिए थी क्योंकि केजरीवाल सरकार ने इस बारे में बहुत से दावे किए लेकिन नतीजा सिफर रहा था।

लेकिन आश्चर्य तब हुआ जब चुनावी नतीजे आते ही, बगैर सरकार के गठन के यमुना में कुछ ऐसी मशीन तैरती दिखीं जो कचरा साफ कर रही थीं। वैसे तो ऐसा कचरा यदि कोई भी नदी अविरल रहे और उसमें बरसात के दिनों में दो-चार बाढ़ आ जाये तो खुद-ब-खुद किनारे लग जाता है। सभी जानते हैं कि आप सरकार के दौरान दिल्ली में आधा राज तो 'लपटन साब' अर्थात लेफ्टिनेंट गवर्नर का चलता रहा है। फिर यह मशीन उतारने के लिए सरकार बदलने का इंतज़ार क्यों किया गया?कड़वा सच तो यह है कि यमुना के दर्द से जब जनता बेपरवाह हुई और महज छठ के आसपास इसकी याद आने लगी तो राजनीतिक दलों ने भी इसे गम्भीरता से लेना छोड़ दिया। यह समझना होगा कि बीते दो दशकों से दिल्ली में हरियाणा से दिल्ली आने वाली यमुना में साल में कम से कम 10 बार अमोनिया की मात्रा बढ़ती है। यह भी समझना होगा कि साल दर साल यमुना में पानी की मात्रा कम हो रही है, जबकि उसके किनारे बसे शहरों-बस्तियों की आबादी बढ़ रही है। जाहिर है कि वहां से निकलने वाले जल-मल में भी वृद्धि हो रही है और कड़वा सच यह है कि यह आधे अधूरे ट्रीटमेंट के बाद यमुना में मिल रहा है। एक तरफ हम यमुना से ज्यादा पानी ले रहे हैं, दूसरा हम इसमें अधिक गंदगी डाल रहे हैं, तीसरा इसमें पानी कम हो रहा है। वैसे दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने इस साल यमुना के मद में 500 करोड़ का प्रावधान रखा है लेकिन कोई ठोस योजना प्रस्तुत की नहीं।लेकिन यमुना की जमीनी हकीकत को परे रखकर जिस तरह अहमदाबाद के साबरमती फ्रंट की तर्ज पर दिल्ली की यमुना को दमकाने की योजनाएं सरकार के खजाने से बाहर आईं उससे जाहिर हो गया कि यमुना में निर्मल जल और विशाल जलनिधि के बनिस्बत उसकी भूमि छुड़ाकर उसका व्यावसायिक इस्तेमाल करने की मंशा है। वैसे एनजीटी सन? 2015 में ही दिल्ली के यमुना तटों पर निर्माण पर पाबंदी लगा चुका है लेकिन इससे बेपरवाह सरकारें मान नहीं रहीं। अभी एक साल के भीतर ही लाख आपत्तियों के बावजूद सराय कालेखां के पास 'बांस घर' के नाम से केफेटेरिया और अन्य निर्माण हो गए। और अब यही सराय कालेखां के सामने 22 एकड़ का जो रिवर फ्रंट बनाने की बात है, वह भी एनजीटी के आदेश की खुली अवहेलना ही होगा।

दिल्ली में यमुना कोई 52 किलोमीटर का सफर तय करती है। सराय कालेखां तक आने में उसका आधा सफर हो जाता है और इसमें ही अधिकांश नाले, औद्योगिक कचरा आदि मिलता है। आईटीओ पुल पर पहुंचते ही यह मृतप्राय हो जाती है। इसमें घुलित ऑक्सीजन की मात्रा नहीं मिलती है। यानी ऑक्सीजन शून्य है। किसी भी नदी की जीवनधारा के लिए घुलित ऑक्सीजन अनिवार्य है।

रुग्ण मानसिकता के खिलाफ विचार-यात्राएं जरूरी

हमारे संविधान

विश्वनाथ सचदेव

पवित्र-अपवित्र की इस बीमार सोच के खिलाफ अभियान चलाये जाने की आवश्यकता है। यह मानसिकता सिर्फ बीमार ही नहीं, आपराधिक भी है। इस अपराध के खिलाफ आंदोलन चलना चाहिए।अभी-अभी देश ने रामनवमी मनाई है-भगवान राम का जन्मदिन। इस उत्सव के आयोजन को लेकर देश के कुछ हिस्सों में कुछ अप्रिय घटनाएं भी घटीं। इन्हीं अप्रिय घटनाओं में एक राजस्थान में भी घटी थी। हुआ यूं कि राजस्थान के अलवर जिले में भगवान राम के एक मंदिर में प्राण-प्रतिष्ठा के अवसर पर राज्य के एक कांग्रेसी नेता ने भी मंदिर जाने का निर्णय किया। वे मंदिर में गये। पूजा भी की। पर कुछ लोगों को उनका मंदिर में जाना पसंद नहीं आया। ऐसे ही लोगों में एक भाजपा के नेता भी थे, जिन्होंने 'मंदिर को पवित्र' करना ज़रूरी समझा। उनका यह मानना है कि मंदिर जाकर 'उस दलित कांग्रेसी नेता' ने मंदिर को अपवित्र कर दिया है।

दलित नेता के जाने के बाद भाजपा नेता ने गंगाजल का छिड़काव करके मंदिर को पवित्र किया। उनके इस कृत्य की काफी आलोचना हो रही है, और उनके दल भाजपा ने उन्हें पार्टी से निष्कासित करके कारण बताओ नोटिस भी जारी कर दिया है। भले ही यह कार्रवाई भाजपा की

राजनीतिक आवश्यकता हो, पर इस कार्रवाई का स्वागत ही किया जाना चाहिए।समता, बंधुता और न्याय के आधार पर बने हमारे संविधान में अस्पृश्यता को एक अपराध घोषित किया गया है। स्वतंत्र भारत में इस अपराध में कमी भी आयी है, यह एक सच्चाई है, पर सच यह भी है कि हमारे समाज में आज भी अस्पृश्यता में विश्वास करने वाली सोच जिंदा है। और इस तथ्य को भी समझा जाना चाहिए कि सुधार के सारे दावों के बावजूद आज भी यह बीमार मानसिकता मनुष्यता के हमारे दावों-वादों को झुठला ही रही है।

रामनवमी का उत्सव मनाने के आठ दिन बाद ही हमने हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किये हैं। हमने यह भी देखा है कि देश के सभी राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं में इस अवसर पर बाबा साहेब के प्रति अपना सम्मान प्रकट करने की जैसे होड़-सी लगी हुई थी। लेकिन हकीकत यह भी है कि अलवर जिले में घटी निंदनीय घटना आठ दिन बाद जैसे आसानी से भुला दी गयी।

नहीं, ऐसी घटनाएं भुलाई नहीं जानी चाहिए। इन्हें याद रखना, इन पर चिंतन करना, इसलिए ज़रूरी है कि यह घटनाएं हमें आदमी और आदमी के बीच भेदभाव को समझने का अवसर देती हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इस अपराध को मानवता पर कलंक कहते समय भी कहा था कि अस्पृश्यता रंग-भेद जैसा ही अपराध है- जैसे रंग-भेद मनुष्यता का अपमान है, वैसे ही अस्पृश्यता की अवधारणा भी अपने आप में कोई छोटा अपमान नहीं है। किसी व्यक्ति को किसी भी आधार पर इतना हीन समझना कि उसे छूना अपराध बन जाए, उसकी छाया अपवित्र मानी जाये, उसे बस्ती के किसी हिस्से में ही रहने को विवश किया जाये, चाय की गुमटियों पर उसके लिए पृथक बर्तन रखे जाएं, सांविधानिक अपराध ही नहीं है

खांसी जुकाम, निमोनिया! लक्षण दिखें करें काम!

बच्चों के लिए सर्दी और खांसी की समस्या सामान्य समस्या होती है। हालांकि आमतौर पर कुछ ही दिनों में यह समस्या ठीक हो जाती है। लेकिन कई बार कमजोर इम्यूनिटी की वजह से छोटे बच्चों के लिए परेशानी का सबब बन सकती है, क्योंकि छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम पूरी तरह से विकसित नहीं होता है।

छोटे बच्चों का इम्यून सिस्टम पूरी तरह से विकसित नहीं होता है, जिसकी वजह से वह संक्रमण की चपेट में जल्दी आ सकते हैं। वायरल संक्रमण, बदलते मौसम और बैक्टीरिया की वजह से छोटे बच्चों को सर्दी-खांसी हो सकती है।

जिसकी वजह से वह संक्रमण की चपेट में जल्दी आ सकते हैं। वायरल संक्रमण, बदलते मौसम और बैक्टीरिया की वजह से छोटे बच्चों को सर्दी-खांसी हो सकती है। हालांकि यह समस्या अगर लंबे समय तक बनी रहती है या इसके साथ अन्य कई गंभीर लक्षण दिखाई देते हैं। तो पेरेंट्स के मन में चिंता होना स्वाभाविक है कि कहीं बच्चे को निमोनिया तो नहीं हो गया है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इस बारे में पूरी जानकारी देने जा रहे हैं। सर्दी-खांसी की वजह से बच्चे का निमोनिया हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक निमोनिया एक संक्रमण है, जो बच्चे के फेफड़ों को प्रभावित करता है। क्योंकि जब बच्चे को सर्दी और खांसी होती है, तो उनके गले और श्वसन नलिका में सूजन आ सकती हैं।

साथ ही इससे बच्चे को सांस लेने में कठिनाई हो सकती है।

यदि इन लक्षणों का सही समय पर इलाज नहीं किया जाता है, तो यह संक्रमण श्वसन नलिका से होते हुए फेफड़ों तक पहुंच सकता है। इससे बच्चे को निमोनिया हो सकता है। बच्चे में निमोनिया के लक्षण जल्द और गंभीर रूप से दिख सकते हैं।

इसलिए पेरेंट्स को सतर्क रहने की जरूरत है। सर्दी-खांसी का समय पर इलाज न किया जाए, तो यह संक्रमण बढ़ सकता है और फेफड़ों में सूजन और जलन पैदा कर सकता है। यह निमोनिया की स्थिति में बदल सकता है।

बच्चे में निमोनिया के लक्षण

बच्चे को अचानक से तेज बुखार हो सकता है, जो सामान्य सर्दी और खांसी को बढ़ा सकता है। अगर बच्चे की सांसें तेज हो सकती हैं या वह सामान्य रूप से सांस नहीं ले पाते।

अगर बच्चे की छाती में धड़कन या फिर सांस लेने में उभार दिखाई दे तो यह निमोनिया का लक्षण हो सकता है।

बच्चे के शरीर में घबराहट हो सकती है, जिसकी वजह से वह सामान्य रूप से सांस लेने में असमर्थ हो सकते हैं। शिशु को खांसी के साथ बलगम आ सकता है, जो उनके श्वसन तंत्र के संक्रमण का संकेत हो सकता है। बच्चे के मुंह,नाक या फिर पैरों का रंग नीला पड़ना भी इस बात को दर्शाता है कि शरीर को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पा रही है।

डिस्क्लेमर- इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

गणेश पूजा, सुख शांति दुआ! भक्ति!

इस बार 16 अप्रैल 2025 को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जा रहा है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और शुभारंभ के देवता के रूप में पूजा की जाती है। यह तिथि भगवान गणेश की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए बेहद अच्छी मानी जाती है।

हर साल वैशाख माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जाता है। विकट संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जाती है। यह व्रत भक्तों की सभी समस्याओं से मुक्ति दिलाने में सहायक होता है।

इस बार 16 अप्रैल 2025 को विकट संकष्टी चतुर्थी का व्रत किया जा रहा है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और शुभारंभ के देवता के रूप में पूजा की जाती है। यह तिथि भगवान गणेश की कृपा और आशीर्वाद पाने के लिए बेहद अच्छी मानी जाती है।

तो आइए जानते हैं विकट संकष्टी चतुर्थी की तिथि, मुहूर्त और पूजन विधि के बारे में

तिथि और मुहूर्त

हिंदू पंचांग के मुताबिक कृष्ण पक्ष में आने वाली चतुर्थी तिथि 16 अप्रैल को दोपहर 01.16 मिनट से शुरू हो रही है। वहीं 17 अप्रैल को दोपहर 03.32 मिनट पर इस तिथि की समाप्ति होगी। इस दिन चंद्रोदय रात 09.54 मिनट पर होगा। संकष्टी चतुर्थी व्रत का पारण चंद्रदेव को अर्घ्य देने के बाद किया जाता है।

पूजा मुहूर्त

इस दिन सुबह जल्दी उठकर सूर्योदय से पहले पवित्र स्नान करें और स्वच्छ कपड़े पहनें।

इसके बाद सूर्य देव को जल दें और व्रत का संकल्प लें। इसके बाद एक चौकी पर भगवान गणेश की प्रतिमा या मूर्ति स्थापित करें। फिर भगवान गणेश को दुर्वा, फल, फूल और मिठाई आदि अर्पित करें और घी का दीपक जलाएं।

पूजा में भगवान गणेश को मोदक और लड्डू का भोग लगाएं और मंत्रों का जाप करें। फिर विकट संकष्टी चतुर्थी व्रत की कथा पढ़ें और आरती करें। वहीं रात में चंद्रमा के दर्शन के बाद व्रत का समापन करें।

डॉक्टर परवेज खान बने हैलट में नेत्र रोग के विभागाध्यक्ष

» मेडिसिन विभाग विभागाध्यक्ष होंगे बीपी प्रियदर्शी

मेडिकल कॉलेज के कई विभागों के विभागाध्यक्ष बदले गए

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। गणेश शंकर विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल में कई विभागों के विभागाध्यक्ष के दो साल पूरे होने पर उनकी जगह पर दूसरों को जिम्मेदारी दी गई है। कई डॉक्टर ऐसे भी है, जिनको दोबारा से जिम्मेदारी दी गई हैं।

मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एसी गुप्ता की जगह पर अब ये जिम्मेदारी डॉ. बीपी प्रियदर्शी को दी गई हैं। वहीं, नेत्र रोग विभाग में डॉ. शालिनी मोहन की जगह Dr. Parvez Khan को एक बार फिर से विभागाध्यक्ष बनाया गया है।पिछले दो साल पूर्व भी डॉ. खान इस विभाग के विभागाध्यक्ष रह चुके हैं।

चेस्ट हॉस्पिटल में भी हुआ बदलाव

चेस्ट हॉस्पिटल में डॉ. संजय वर्मा की जगह पर अब डॉ. अवधेश कुमार को विभागाध्यक्ष बनाया गया है। नए विभागाध्यक्षों को मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. संजय काला और सभी स्टॉफ ने बधाई दी।

सर्जरी विभाग को नए विभागाध्यक्ष के रूप में डॉ. राजेश कुमार मौर्या मिले हैं। एनाटमी विभाग की नई जिम्मेदारी डॉ. सुनीता पांडेय देखेंगी। कम्युनिटी मेडिसिन की डॉ. तनु मिड्ढा को बनाया गया।

बाल रोग विभाग के भी दो साल का कार्यकाल हुआ पूरा

बाल रोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अरुण कुमार आर्या ने बताया का दो साल का कार्यकाल पूरा होने के बाद डॉ. शैलेंद्र कुमार गौतम को ये नई जिम्मेदारी दी गई हैं। इसके अलावा दंत रोग विभाग की जिम्मेदारी एक बार फिर डॉ. अशरफ उल्ला को दी गई। वहीं त्वचा रोग विभाग की भी जिम्मेदारी अभी डॉ. डीपी शिवहरे ही संभालेंगे।

डिब्बा कारोबारी के घर में घुसे नकाबपोश, जेवर लूटे

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। पनकी थानाक्षेत्र के शताब्दीनगर में शिवालिक अपार्टमेंट के पी-8, 12 निवासी डिब्बा कारोबारी के घर में घुसकर दो नकाबपोश बदमाशों ने लूट की। दोपहर तीन बजे दिनदहाड़े वारदात को पुलिस फिलहाल संदिग्ध मान रही है। पीड़ित के अनुसार बदमाश माथे पर तमंचा सटाकर सामान की जानकारी कर रहे थे।

चेन लूट के बाद बदमाश फरार हो गए तो मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से बदमाशों की तलाश में जुटी है। शिवालिक अपार्टमेंट के वेद प्रकाश का मिठाई के डिब्बे का कारखाना शास्त्रीनगर में है। घर में बुधवार को उनकी पत्नी भावना सोनकर थीं, डिब्बे का दो जगह से आर्डर होने के कारण वेद प्रकाश कारखाने में थे। भावना के अनुसार तीन बजे के करीब गेट खटखटाया, उन्होंने खोला तो दो बदमाश दरवाजा धकेलते हुए अंदर आ गए। दोनों नकाबपोश थे और हाथ में तमंचा लिए थे।

बदमाशों ने गले में पहनी हुई चेन छीनने के बाद बेडरूम में ले जाकर दुपट्टे से हाथ बांध दिया और घर में रखे रुपये और जेवर की जानकारी लेने लगे। इसी बीच दूसरे बदमाश ने चेन मिलने की बात कहते हुए फरार हो गए। वहीं पुलिस घटना को संदिग्ध मान रही है। पुलिस के अनुसार भावना जब चौकी में शिकायत करने पहुंची तो उनके कान में झाले थे, जबकि उनका कहना है कि बदमाश जेवर के बारे में पूछ रहे थे। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

बैठक से गायब रहे को आर्डिनेटर बालचंद्र मिश्रा

» बीडीओ मलासा ने डीएम ओर सीडीओ, जिला विकास अधिकारी को भेजा कार्यवाही के लिए पत्र

» डीएम ओर सीडीओ के निर्देश को नहीं मानते को आर्डिनेटर बालचंद्र मिश्रा

सदस्यों की बैठक में बीडीओ मलासा संजू सिंह ने दिए।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विकास खंड मलासा में बुधवार को मनरेगा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कराए गए कार्यों व प्रधानमंत्री आवासों का सोशल आडिट करने के लिए सभी पंचायत सचिव अपने-अपने ग्राम पंचायतों के रोजगार सेवकों से अभिलेख तैयार कर सोशल आडिट टीम को उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए गए। जिससे समय पर सोशल आडिट की कार्रवाई पूरी की जा सके। यह निर्देश मलासा ब्लाक में बुधवार को पंचायत सचिवों, ब्लाक को आर्डिनेटर, बीआरपी व सोशल आडिट टीम के

बुधवार की ब्लॉक सभागार की बैठक में मलासा के सोशल आडिट ब्लाक के आर्डिनेटर रमाकांत बाजपेयी ने कहा कि सभी सोशल आडिट टीमों के सदस्य आडिट के दौरान पहले दिन वित्तीय वर्ष 2024-25 में कराए गये मनरेगा कार्यों व प्रधानमंत्री आवासों का अभिलेखीय सत्यापन करने के साथ ही डोर टू डोर श्रमिकों के घर जाकर कार्यों का सत्यापन करें। दूसरे दिन कार्य स्थलों पर जाकर कार्यों का भौतिक सत्यापन करें। उपरोक्त सत्यापन करने के बाद तीसरे दिन टीम सदस्य विभाग द्वारा दिए गए बिंदु ड्राफ्ट को भरें। ब्लाक को आर्डिनेटर ने कहा कि चौथे दिन सोशल आडिट टीम ग्राम सभा की खुली बैठक बुलाकर कराए गए कार्यों का आडिट करें। कराए गए कार्यों का संतोषजनक उत्तर न मिलने पर रिपोर्ट वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों को भेजें। इस दौरान एडीओ अमित कुमार पांडेय, सचिव रवि शुक्ला, राजीव द्विवेदी, युवराज सिंह, अमरेश कुमार, सत्यम यादव, ज्योति रत्ना, दीक्षा सचान, ब्लाक कोआर्डिनेटर प्रियंका द्विवेदी, बीआरपी अवधेश दीक्षित, टीए रणधीर सिंह, सोशल आडिट टीम के सदस्य राहुल कुमार, विपिन कुमार, राजेश अवस्थी, शिवकुमार कुशवाहा, प्रमोद अवस्थी, अरफान खान, सुनंदा देवी, माधुरी मौजूद रहीं।

क्या बकरों के पेट पर लिखा है कोई संदेश...?

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। बकरीद को ईद-उज़-ज़ुहा या ईद-अल-अजहा के नाम से जाना जाता है। मुस्लिम समुदाय के लोग बहुत ही धूमधाम से मनाते हैं। कहीं-कहीं तो हिंदू मुस्लिम बकरीद पर एकता की मिशाल कायम करते हैं और इस पर अगर कोई बकरी या बकरा के शरीर पर अल्लाह का नाम लिखा है। पैदा होते ही तो लोग उसे हर सम्भव प्रयास अपने त्यौहार पर लाने के लिए करते हैं, यह शुभ माना जाता है, मुस्लिम समुदाय के लोग इसे मानते हैं , की यह अल्लाह के द्वारा भेजा गया है। इसी तरह एक अनोखा मामला ब्लाक सरवनखेडा के ग्राम पंचायत मंगटा में बाबू लाल कठेरिया के घर पर 4 साल पहले एक बकरी ने बकरा को जन्म दिया था। जिस पर अल्लाह का नाम लिखा है। बाबू लाल कठेरिया के अनुसार.......

» बकरा के लग चुके हैं पांच लाख रुपए कीमत।

» परिजन ने बताया कि इस बकरा के पेट पर ओम् और पीठ पर कछुआ, पेट पर माशा अल्लाह लिखा है

परिजन बाबू लाल कठेरिया, बेटा नीरज कठेरिया, बाबू लाल की धर्म पत्नी भागमनी देवी मंगटा ने बताया की हमारे यहां जो बकरी का बच्चा इसका 4 साल पहले जन्म हुआ था। जिसके पीठ पर पेट पर ओम, और पेट में मासी आल्हा और रीड पर कछुआ बना हुआ है। जिसको लेकर हमारे गांव के सफी कुरैशी के द्वारा जब देखा गया तो उन्होंने 8 हजार रुपए पैदा होते ही लगा दिया था पर इतने छोटे बच्चे के इतने रुपए देने पर हम आश्चर्यजनक हुए तो हमने गजनेर में एक व्यक्ति को दिखलाया तो उसने बताया कि इस पर ओम् व मासी आल्हा और रीड पर कछुआ बना हुआ है तो हमने इसे नहीं बेचा है । कुछ दिन बाद फिर हमने कानपुर इसे लेकर गये तो वहां पांच लाख रुपए लगे थे तो वहां से भी हम लौटा लाये थे। बाबूलाल कठेरिया ने बताया कि फोटो में जो दिख रहा है। वह क्या लिखा है इसे जानकार ही बता सकते हैं । बाबू लाल कठेरिया ने बताया अगर हमसे कोई संपर्क करना चाहे तो इस नम्बर पर कर सकता है 9555476649 है। हालांकि इस तरह के तथ्य की स्वराज इंडिया पुष्टि बिल्कुल नहीं करता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

बाजार बचाने को पूरी रात पढ़ी हनुमान चालीसा

व्यापारियों का आंदोलन जारी, एलिवेटेड ट्रैक क्रासिंग से आगे बढ़ाने की मांग

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। जरीब चौकी–मंधना एलिवेटेड ट्रैक और फ्लाईओवर से वार्षिक 2000 करोड़ टर्नओवर के व्यापार व जरीब चौकी बाजार को बचाने के लिए व्यापारियों ने पूरी रात हनुमान चालीसा का पाठ किया। व्यापारियों का कहना है कि जरीबचौकी क्रॉसिंग पर ओवर ब्रिज बनने से एक हिस्से के जरीब चौकी बाजार की तरफ आने से जरीब चौकी बाजार समाप्त हो जाएगा। व्यापार मंडल के पदाधिकारियों और जरीब चौकी के व्यापारियों ने सांसद को ज्ञापन देने के बाद ई मेल के माध्यम से केंद्रीय रेल मंत्री को मांगपत्र भेजने का सिलसिला जारी रखा। एलिवेटेड ट्रैक बनने का समर्थन करते हुए व्यापारियों ने मांग की है कि एलिवेटेड ट्रैक जरीब चौकी क्रासिंग से 300 मीटर आगे बढ़ाकर क्रासिंग खोला जाय या इस क्रासिंग पर बनने वाले ओवर ब्रिज को टी टाइप बनाकर जरीब चौकी बाजार की तरफ न लाया जाए।

भारतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रदेश अध्यक्ष ज्ञानेश मिश्र, जिला अध्यक्ष गुरुज़िन्दर सिंह व जरीब चौकी व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय मिश्र के नेतृत्व में अरुण पांडे,अजय गुप्ता, संजय गुप्ता, गोविन्द गुप्ता, आज़ाद गुप्ता, श्यामू पांडे, संस्कार गुप्ता,राजेंद्र गुप्ता, एस एन गुप्ता, सुरेश त्रिपाठी, धर्मेंद्र बिहारी, आनंद गुप्ता, दिनेश दीक्षित, विनोद दीपानी,सफी रहमानी,दिलीप पांडे, परशुराम गुप्ता, राजन गुप्ता, विजय गुप्ता, विकास पांडे, महेश जायसवाल, राजू गुप्ता, सचिन गुप्ता,पिंटू राठौर आदि ने सांसद रमेश अवस्थी को ज्ञापन सौंपकर बताया कि इस बाजार कि तरफ ओवर ब्रिज की सड़क आने से ये बाजार पूर्णतया समाप्त हो जायेगा। सांसद रमेश अवस्थी ने आश्वासन दिया कि हम आपकी समस्या को अधिकारियों तक पहुंचायेंगे।

ग्राम स्वराज अभियान के तहत बनेगा बिहार ग्राम में पंचायत भवन

- » **एडीओ पंचायत मलासा ने किया भूमि पूजन**
- » **लगभग साढे 17 लाख की लागत से बनेगा पंचायत भवन**
- » **विकास खंड मलासा के ग्राम पंचायत बिहार में बनेगा खुद का सचिवालय**

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना अंतर्गत आवटित ग्राम सचिवालय लगभग 17.50लाख रुपये की लागत से बनने वाले पंचायत भवन को एडीओ पंचायत मलासा आदित्य शुक्ला ने भूमि पूजन कर आधार शिला रखी और जल्द ही भवन निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। वही विकास खंड मलासा के ग्राम पंचायत बिहार को खुद का सचिवालय मिल गया है। जिससे गांव के लोगों को एक तरफ खुशी दूसरी तरफ एक छत के नीचे विभिन्न योजनाओं का लाभ भी मिलेगा। कार्यक्रम के दौरान आचार्यों ने मंत्रोच्चारण के साथ विधिविधान से पूजन कराया। एडीओ पंचायत मलासा आदित्य शुक्ला ने बताया है कि राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजना के तहत इसका निर्माण कार्य होना है। इस मौके पर ग्राम प्रधान,पंचायत सचिव पंचायत सहायक कॉपरेटिव के सचिव आदि गांव के लोग भी मौजूद रहे।

बॉम्बे हॉस्पिटल
नियर आघू रोड, कानपुर-आगरा हाईवे, अकबरपुर, कानपुर देहात

24 घंटे इमरजेंसी सुविधा
24 घंटे एम्बुलेंस व मेडिकल स्टोर की सुविधा
दूरबीन विधि द्वारा सभी प्रकार के ऑपरेशन
हेल्पलाइन नं.: 8355017999, 8858997333

हड्डी के सभी ऑपरेशन, गुर्दे की पथरी
पित्ताशय की पथरी, फिशर, नासूर
अपेन्डिक्स, प्रोस्टेट, कैंसर की गांठ, भगंदर
हर्निया, हाइड्रोसील, छाती का कैंसर
पेट की चोट व अन्य समस्याएं
बच्चेदानी व अण्डाशय की गांठ
घुटने का प्रत्यारोपण, पाइल्स (बवासीर)

डॉ. सुरेश यादव
डायरेक्टर

शारदा नहर में अज्ञात शव मिला, हत्या कर फेंके जाने की आशंका

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

निंदूरा (बाराबंकी)। विकास खण्ड निंदूरा के शारदा सहायक नहर में अज्ञात शव बहता देख स्थानीय राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और उसकी शिनाख्त करने की कोशिश की। स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है, और आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट की जानकारी ली जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा। बताते चलें कुर्सी थाना क्षेत्र के पोखान्नी रेगुलेटर के आस पास शारदा नहर में लगभग 35 वर्षीय एक अज्ञात शव बहता हुआ वही पास से गुजर रहे स्थानीय ग्रामीणों ने देखा तो आश्चर्य चकित रह गये। आनन फानन में पुलिस को घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही पुलिस गोताखोरों की मदद से शव को बाहर निकलवाने का प्रयास कर रही हैं,और उसकी शिनाख्त करने की कोशिश कर रही है। स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। अभी तक शव की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस मामले की जाँच कर रही है और आसपास के थानों में गुमशुदगी की रिपोर्ट की जानकारी ली जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

अयोध्या जिले की रैंकिंग लुढ़की, डीएम की कुर्सी फिसली

अयोध्या के डीएम का ट्रांसफर नहीं, सरकारी तंत्र का ट्रेलर है

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। जिला अयोध्या में प्रशासन ने नौ महीने का पुनः प्रयास प्रोग्राम चलाया, जिसमें नतीजा निकला। जिलाधिकारी की कुर्सी ने स्वयं को त्यागपत्र सौंप दिया। प्रदेश की 75 जिलों की रैंकिंग में 68वें नंबर पर आकर अयोध्या ने साबित किया कि राम की नगरी में रामराज्य तो दूर, रैंकराज्य भी नहीं चल पा रहा।

चंद्रविजय सिंह के नेतृत्व में 'प्रशासनिक पकड़' इतनी ढीली रही कि जैसे रबर बैंड को लोहे की जंजीर समझ लिया गया हो। हद तो तब हो गई जब एक एसडीएम साहब पर आरोप लगा कि उन्होंने अपने अधीनस्थ के बाल कटवा दिए, वो भी आदेश देकर! तहसील में 'हेयर कट डिक्टेटरशिप' का नया मॉडल सेट हो रहा था, और डीएम साहब जांच बैठाकर वही अफसर फिर से वहीं तैनात कर आए। इसे कहते हैं न्याय की कुर्सी पर घुमा-फिरा के उसी को बैठा देना जिसने कुर्सी हिलाई थी। जांच अधिकारी अब तक एसडीएम के बयान का इंतजार कर रहे हैं। बयान क्या आएगा, जब आरोपी खुद मजिस्ट्रेटी जांच का मजाक बन जाए? और हाँ, एक विधायक जी भी हैं इस स्क्रिप्ट में जिनकी सिफारिश सुनने के बाद डीएम साहब के कानों में बाकी नेताओं की बातों की आवाज नोटिफिकेशन साइलेंट मोड में चली जाती थी। तो राजनीति की कुंजी से

खुला ट्रांसफर का ताला भी कोई चौंकाने वाली बात नहीं। अंत में इतना ही कहना है की इस जिले में प्रशासनिक कुर्सियाँ अब 'घड़ी की सुई' हो चुकी हैं- समय बदलते ही घूम जाती हैं। पर सवाल वही अटका है, जब बाल कटवाने पर भी इंसाफ हिलता है, तब कुर्सी के नीचे की ज़मीन कितनी मजबूत रह पाएगी?

24 मीटर चौड़ी सड़क पर स्थित आवासीय भवन में बना सकेंगे दुकान

सड़क की 45 मीटर चौड़ाई होने पर बनाई जा सकेगी गगनचुंबी बिल्डिंग

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। अब घर में दुकान खोलने वालों को अब नगर निगम ने और विकास प्राधिकरण सहित हर तरह के शोषण से मुक्ति मिल सकती है। योगी सरकार 24 मीटर या उससे ज्यादा चौड़ी सड़क पर स्थित आवासीय भूखंडों पर अब व्यावसायिक सहित अन्य तरह की गतिविधियों (मिश्रित भू-उपयोग) की अनुमति देने जा रही है। 45 मीटर या उससे ज्यादा चौड़ी सड़क पर अब गगनचुंबी बहुमंजिला भवन बनाया जा सकेगा। इसी तरह गांव के सात मीटर चौड़े मार्ग पर भी अब उद्योगों को लगाया जा सकेगा। कम भूमि पर ज्यादा से ज्यादा निर्माण सुनिश्चित करने के लिए सरकार जहां भू-आच्छादन व एफएआर (फ्लोर एरिया रेशियो) को भी बढ़ा रही है वहीं सेटबैक के मानको को बदलकर कम कर रही है।

बदलाव के महत्वपूर्ण बिंदु-

गांव में सात मीटर चौड़े मार्ग पर भी अब लगाए जा सकेंगे उद्योग

100 वर्ग मीटर तक के आवासीय व 30 वर्गमी. के व्यावसायिक भूखंड के लिए न पास कराना होगा मानचित्र

भूखंड पर ज्यादा निर्माण के लिए भू–आच्छादन व एफएआर को बढ़ाया गया, कम किया गया सेटबैक

भवन उपविधि का ड्राफ्ट जारी, 15 दिनों में दे सकते हैं सुझाव, दर्ज करा सकते हैं आपत्ति

आपत्तियां-सुझाव निस्तारित कर मई में कैबिनेट से मंजूरी मिलते ही लागू हो जाएगी उपविधि

शहरी क्षेत्र में बढ़ती आबादी को देखते हुए आवासीय सहित अन्य गतिविधियों के लिए कम जमीन पर अधिक निर्माण सुनिश्चित करने के मद्देनजर राज्य सरकार ने 17 वर्ष पुरानी भवन निर्माण एवं विकास उपविधि–2008 के स्थान पर नए सिरे से भवन निर्माण एवं विकास उपविधि को तैयार किया है। नए सिरे से भवन उपविधि बनाने के लिए शासन स्तर से गठित समिति ने दूसरे राज्यों की भवन उपविधियों का अध्ययन करने के बाद भवन निर्माण एवं विकास उपविधि–2025 को तैयार किया है।

भवन उपविधि–2025 के ड्राफ्ट को अंतिम रूप

प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी नियोजन पी गुरुप्रसाद ने बताया कि भवन उपविधि–2025 के ड्राफ्ट को अंतिम रूप दे दिया गया। आवास विभाग का भी दायित्व संभाल रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंगलवार को हरी झंडी मिलने के बाद प्रस्तावित उपविधि पर बुधवार से सुझाव व आपत्तियां मांगी जाएंगी। गौर करने की बात यह है कि प्रस्तावित उपविधि के माध्यम से सरकार भूखंड स्वामियों को आवासीय से लेकन अन्य उपयोग के भवन निर्माण के लिए तमाम तरह की सहूलियत देने जा रही है। सूत्र बताते हैं कि विकास प्राधिकरणों के शोषण से भवन स्वामियों को काफी हद तक राहत देने के लिए मुख्यमंत्री ने नई उपविधि में सभी नियमों को बेहद सरल बनाने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिए थे इसलिए प्रस्तावित उपविधि से सभी जटिल प्राविधानों को हटा दिया गया है।

ऐसी व्यवस्था की गई है कि अब कम जगह पर ज्यादा निर्माण सुनिश्चित किया जा सकेगा। इसके लिए ग्राउंड कवरेज की सीमा को समाप्त करते हुए एफएआर को उपयोग के अनुसार तीन सौ प्रतिशत तक बढ़ाने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही सेटबैक छोड़ने के मानकों को युक्तिसंगत बनाते हुए काफी हद तक ढिलाई दी जा रही है।निर्माण के लिए मानचित्र पास कराने से भी छूट प्रस्तावित उपविधि में 100 वर्ग मीटर तक के आवासीय भूखंड व 30 वर्ग मीटर तक के व्यावसायिक भूखंड पर निर्माण के लिए मानचित्र पास कराने से भी छूट दी जा रही है। भूखंड स्वामी को कुछ शर्तों का पालन करते हुए ऑनलाइन पंजीकरण कराकर सिर्फ मानचित्र अपलोड करना होगा।भवन उपविधि–2008 में समय–समय पर किए गए तमाम संशोधनों को भी प्रस्तावित उपविधि में शामिल किया गया है। प्रस्तावित उपविधि पर आने वाले सुझाव व आपत्तियों को ध्यान में रखते हुए आवास विभाग उपविधि के प्रस्ताव को अंतिम रूप देकर कैबिनेट के समक्ष रखेगा। चूंकि सुझाव–आपत्तियों के लिए 15 दिन की मोहलत दी गई है, इसलिए उपविधि को मई में ही कैबिनेट की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। इसके बाद लागू किया जा सकता है।

विभागीय वेबसाइट पर देखी जा सकेगी उपविधि

आपत्तियों के लिए 15 दिन की मोहलत दी गई है, इसलिए उपविधि को मई में ही कैबिनेट की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। कैबिनेट की मंजूरी मिलने के बाद विकास प्राधिकरण व आवास विकास परिषद को अपने-अपने बोर्ड के माध्यम से उपविधि को स्वीकार कर लागू करना होगा।

प्रस्तावित उपविधि को विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करने के साथ ही अंग्रेजी-हिंदी समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाएगा। कोई भी व्यक्ति आवास एवं शहरी नियोजन विभाग की वेबसाइट awas.upsdc.gov.in, नगर एवं ग्राम नियोजन की वेबसाइट uptownplanning.gov.in तथा आवास बंधु की वेबसाइट awasbandhu.in पर भवन उपविधि-2025 के ड्राफ्ट को देख सकता है। उप विधि पर लिखित आपत्तियां व सुझाव गोमतीनगर के विभूति खंड स्थित नगर एवं ग्राम नियोजन विभाग में मुख्य नगर एवं ग्राम नियोजक को लिखित रूप में भेजी जा सकती हैं। ईमेल ctcpbuildingbyelawsw®wz@gmail.com के माध्यम से भी 15 दिनों में आपत्ति-सुझाव दिए जा सकेंगे।

सीएम योगी ने पिछली सरकारों के कारनामों को जमकर उधेड़ा

मुर्शिदाबाद का जो हाल है वो कभी यूपी के शहरों का था

» स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को एक प्रमुख मीडिया समूह द्वारा आयोजित उप्र: एक स्वर्णिम शताब्दी की ओर कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी दलों पर जमकर हमला बोला। सीएम योगी ने अपनी सरकार में हुए राज्य के विकास, बुनियादी ढांचे और माफिया मुक्त शासन की उपलब्धियां गिनाईं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है।

जनता दर्शन में लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर सीएम योगी आदित्यनाथ पीड़ितों की समस्याओं को सुनते हुए।

मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर प्रदेश में भ्रष्टाचार, जातिवाद और माफियावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने योजनाओं में घोटाले कर लंदन में होटल बनाए, वही लोग प्रदेश को लूटने और जातियों में बांटने के लिए जिम्मेदार हैं। मुर्शिदाबाद की घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने विपक्ष की चुप्पी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि ये लोग, जिन्होंने भ्रष्टाचार, जातिवाद, माफियावाद और परिवारवाद से अपना साम्राज्य खड़ा किया, वही लोग अब मुर्शिदाबाद जैसे मामलों पर मौन हैं। बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने यूपी को दंगा और माफिया मुक्त बनाया है। पहले हर जिले में माफिया पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करते थे, ठेके लेते थे, दंगे करवाते थे और महिलाओं व व्यापारियों को परेशान करते थे। लोग त्योहारों पर सशंकित रहते थे। अब यूपी में त्योहार शांतिपूर्ण और भव्यता के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है वही कभी यूपी में मुजफ्फरनगर, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहर का हुआ करते थे। मुख्यमंत्री ने पूर्वी यूपी में इंसेफ्लाइटिस जैसी घातक बीमारी के उन्मूलन को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 40 वर्षों में इस बीमारी से 50,000 बच्चों की मौत हुई, इनमें से ज्यादातर बच्चे अल्पसंख्यक समाज के होते थे, लेकिन किसी नेता के आंसू नहीं बहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कभी इंसेफ्लाइटिस बीमारी पर ध्यान नहीं दिया क्योंकि बच्चे वोट बैंक नहीं होते। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया होते थे, आज वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज हैं और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं।

पैसे लूटकर बनाए लंदन में होटल

सीएम योगी ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए बताया कि 2016 में बिना किसी तैयारी के इसका शिलान्यास कर दिया गया। तब 15,200 करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट अनियमितताओं से भरा था। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार ने इसे रद्द कर दोबारा से प्रोजेक्ट को डिजाइन किया और पूरी परियोजना को केवल 11,800 करोड़ रुपये में पूरा किया, जिससे जनता के पैसे की लूट रोकी गई। योगी ने कहा कि यह वही पैसा है, जिसे लूटकर इंग्लैंड में इनके होटल बनते हैं।

कार्यक्रम में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, सलाहकार अवनीश अवस्थी और मीडिया समूह के वरिष्ठ अधिकारी व पत्रकारगण मौजूद रहे।

महाकुंभ ने देश में बदली यूपी को लेकर धारणा

सीएम योगी ने महाकुंभ 2025 की सफलता का जिक्र किया, जिसमें 66 करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल हुए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, पुलिस के व्यवहार और व्यवस्थाओं ने सभी को प्रभावित किया। यूपी को भारत की आस्था का केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि यह राज्य देश को जोड़ने का काम करता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि यूपी में 122 चीनी मिलें संचालित हो रही हैं, और पिछले आठ वर्षों में 2.80 लाख करोड़ रुपये का गन्ना भुगतान किया गया है। खाद्यान्न उत्पादन में भी यूपी देश में अग्रणी है।

शिवाजी-महाराणा प्रताप को कोसते हैं, औरंगजेब गुण गाते हैं

मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर शिवाजी, महाराणा प्रताप और राणा सांगा जैसे महापुरुषों का अपमान करने और औरंगजेब, बाबर और जिन्ना जैसे राष्ट्रतोड़कों का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग वोट बैंक के लिए प्रोपगंडा करते हैं और समाज में विद्वेष फैलाते हैं। हमें एक समृद्ध यूपी, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए राष्ट्रनायकों का सम्मान करना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री के पंचप्रण का एक संकल्प यह भी है कि राष्ट्रनायकों का हमें सम्मान करना है।

तीसरे दिन भी प्रियंका गांधी के पति से ईडी की पूछताछ जारी

जनता जागरूक है, सब कुछ जानती और समझती है: वाड्रा

» नई दिल्ली/लखनऊ, वरिष्ठ संवाददाता।

कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा से लगातार तीसरे दिन प्रवर्तन निदेशालय ने पूछताछ की। ईडी की पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ने कहा कि कोई नया सवाल नहीं था, सभी सवाल एक जैसे ही थे। अगर कल सार्वजनिक अवकाश नहीं होता तो मुझे अपना जन्मदिन ईडी दफ्तर में मनाना पड़ता। इससे पहले दो दिनों में रॉबर्ट वाड्रा से करीब साढ़े 11 घंटे (पहले दिन छह घंटे और दूसरे दिन साढ़े पांच घंटे) तक पूछताछ हो चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय ने 2008 के शिकोहपुर भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। बीते दिन वाड्रा प्रियंका के साथ ईडी मुख्यालय पहुंचे थे। आज भी प्रियंका उनके साथ मौजूद रहीं। पूछताछ के दौरान आज भी प्रियंका ईडी दफ्तर में ही मौजूद रहीं।

पूछताछ के बाद रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, ...मैं सभी सवालों के जवाब दे चुका हूं। 2019 में भी यही सवाल पूछे गए थे। यह कोई नई बात नहीं है। यह इस सरकार का प्रचार करने का तरीका है, उनका दुरुपयोग करने का तरीका है। हमारे पास इसका सामना करने की ताकत है और हम ऐसा करेंगे।

रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, यह भाजपा का राजनीतिक प्रचार है कि सोनिया और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है और मुझे उसी दिन तलब किया गया। इसलिए वे मीडिया के माध्यम से यह दिखा रहे हैं कि हम कुछ गलत कर रहे हैं। जनता जागरूक है, वे सब कुछ जानती और समझती है। ऐसी बातों का कोई मतलब नहीं होता, इससे हम और मजबूत होते हैं। इससे कोई नतीजा नहीं निकलेगा, क्योंकि इसमें कुछ है ही नहीं। अगर वे कुछ गलत करके दिखाना या करना चाहते हैं, तो मैं इसे नियंत्रित नहीं कर पाऊंगा, लेकिन सच्चाई यह है कि उनके पास कुछ भी नहीं है।

गुरुग्राम भूमि मामले में ईडी की ओर से उन्हें भेजे गए समन और पूछताछ पर वाड्रा ने कहा, अगर मैं राजनीति में आता, जो कि सभी चाहते हैं, तो वे (भाजपा) या तो वंशवाद की बात करेंगे या ईडी का दुरुपयोग करेंगे। यह मुश्किल तब शुरू हुई, जब कुछ दिन पहले मैंने अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों के बारे में सोशल मीडिया पर संदेश दिया। यह और कुछ नहीं है। जब से मैंने कहा कि लोग चाहते हैं कि मैं राजनीति में आऊं, तब से यह मुश्किल शुरू हो गई, लेकिन ईडी के समन का कोई आधार नहीं है।

परिवार के आशीर्वाद के साथ राजनीति में शामिल होऊंगा

जब उनसे पूछा गया कि क्या वे राजनीति में आएंगे? तो कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने कहा, निश्चित रूप से अगर लोग चाहेंगे, तो मैं अपने परिवार के आशीर्वाद के साथ इसमें शामिल होऊंगा। मैं कांग्रेस के लिए कड़ी मेहनत करूंगा। यह जारी रहेगा, क्योंकि हम आंदोलन करते हैं, हम लोगों के लिए लड़ते हैं, हम अन्याय के खिलाफ हैं।

लखनऊः नेहरू मंजिल सील

राजधानी के कैसरबाग स्थित नेहरू मंजिल को ईडी ने नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत सील किया है। कैसरबाग के विशेश्वर नाथ रोड पर यह इमारत स्थित है, इसी इमारत में नेशनल हेराल्ड अखबार का पूर्व में कार्यालय हुआ करता था। इस इमारत को करीब 200 साल पुराना बताया जाता है।

हकिहिकि

बहू के खिलाफ सास दर्ज करा सकती है घरेलू हिंसा का केस?

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया।

प्रयागराज। आपने अक्सर सास की प्रताड़ना की बात सुनी और देखी होगी। लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट में हाल ही में एक ऐसा मामला दर्ज हुआ जिसमें एक सास ने अपनी बहू के खिलाफ घरेलू हिंसा की शिकायत की है। इस मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान यह भी सवाल उठा कि क्या सास अपनी बहू के खिलाफ इस तरह का मामला दर्ज करा सकती है? इस मामले पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने इसकी इजाजत दी।

हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि सास भी अपनी बहू के खिलाफ घरेलू हिंसा अधिनियम, 2005 के तहत शिकायत दर्ज करा सकती है। यह फैसला न्यायमूर्ति आलोक माथुर ने दिया, जिन्होंने लखनऊ की एक निचली अदालत द्वारा बहू और उसके परिवार के खिलाफ जारी समन को सही ठहराया। आपको बता दें कि यह मामला 'स्मृति गरिमा एवं अन्य बनाम उत्तर प्रदेश राज्य' के नाम दाखिल हुआ था, जिसमें बहू और उसके परिवार ने निचली अदालत द्वारा जारी समन को चुनौती दी थी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि अधिनियम की धारा 12 के तहत राहत की याचिका कोई भी ऐसी महिला दाखिल कर सकती है, जो घरेलू संबंध में साझा घर में रह रही हो और पीड़ित हो। कोर्ट ने कहा, यदि सास को उसकी बहू या परिवार के किसी अन्य सदस्य द्वारा मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, तो वह भी पीड़ित महिला की परिभाषा में आएगी और अधिनियम की धारा 12 के तहत याचिका दाखिल करने का अधिकार रखती है।

मूल शिकायत में सास ने आरोप लगाया था कि बहू अपने पति (शिकायतकर्ता का बेटा) पर उसके मायके में जाकर रहने का दबाव बना रही है। इसके अलावा, बहू द्वारा ससुरालवालों के साथ दुर्व्यवहार और झूठे केस में फंसाने की धमकी देने का आरोप भी लगाया गया था। वहीं, बहू के वकील ने कोर्ट में दलील दी कि यह शिकायत बहू द्वारा दर्ज कराए गए दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के मामले के जवाब में बदले की भावना से की गई है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद कहा कि सास की ओर से दर्ज शिकायत में घरेलू हिंसा अधिनियम की धारा 12 के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है और इसलिए ट्रायल कोर्ट द्वारा जारी समन वैध है।